Vishal
M.S.J. College.

Q. आस्ट्रेलिया की जलवायु का वर्णन करें।

Ans → भौगोलिक अध्ययन में जलवायु का आधार बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका प्रभाव सभी भौगोलिक तत्वों पर पड़ता है। प्रत्यक्ष रूप से जलवायु, वनस्पति और फसलों तथा अप्रत्यक्ष रूप से मिट्टी, प्रा० संसाधनों और मानव की शारीरिक बनावट एवं मानसिक कार्यक्षमता को प्रभावित करता है। आस्ट्रे० महाद्वीप की जलवायु को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक अक्षांशीय स्थिति, स्थानान्तरित वायु पेटियाँ एवं उनका मौसमिक स्थानान्तरण तथा पर्वत श्रेणियों की सापेक्षिक स्थिति एवं दिशा विन्यास है।

आस्ट्रे० महाद्वीप की जलवायु का वर्गीकरण ग्रिफिथ टेलर द्वारा किया गया है। जो निम्न प्रकार के हैं।

(i) उष्ण कटि० आर्द्र शुष्क सवाना तुल्य जलवायु → इन जलवायु प्रदेशों में वर्षा अधिक होती है तथा विभिन्न महीनों में इसका वितरण असमान रहता है। महाद्वीप के पू० तथा आंतरिक भाग में शुष्क तथा पू० भाग आर्द्र जलवायु के मध्य इस जलवायु का क्षेत्र है। आस्ट्रेलिया में यह मुख्य रूप से उत्तरी भागों में पायी जाती है। इन प्रदेशों की वर्षा ऋतु उष्णार्द्र प्रदेशों के समान और शुष्क ऋतु मरुस्थलों के समरूप मौसम वाली होती है। शीत ऋतु में व्यापारिक हवाओं तथा उपोष्ण चक्रवातों के प्रभाव में मौसम शुष्क रहता है।

(ii) आर्द्र शुष्क जलवायु → आर्द्र और शुष्क प्रदेशों के मध्य स्थित ~~इस जलवायु के प्रदेश~~ होता है। वर्ष में कुछ समय के लिए वर्षा ऋतु भी पाई जाती है। वार्षिक वर्षा का औसत 100 से 200 cm तक है। वर्षा सूर्य का अनुसरण करती है तथा इसकी मात्रा में वर्ष प्रतिवर्ष परिवर्तन भी होता है। पूर्वी और द० आस्ट्रेलिया के समुद्र तटों से दूर आंतरिक मरुस्थल के चारों ओर पेटागोनिया मरुस्थल के पू० तथा प० की पतली पेटी के रूप में इस जलवायु के प्रदेश पाए जाते हैं। औसत वा० तापमान 18.3°C से 29.4°C के बीच रहता है। परन्तु अक्षांश एवं सागर से दूरी के कारण इसमें जलवायु में परिवर्तन मिलता है।

(iii) मरुस्थलीय जलवायु → वार्षिक वर्षा की मात्रा की अपेक्षा वाष्पीकरण अधिक होता है। गर्मी में औसत तापमान 27°C से 35°C तक रहता है। प० आस्ट्रे० के मरुस्थलीय क्षेत्र में वर्ष के लगातार 64 दिनों तक तापमान 38°C से अधिक पाया जाता है। 25 से 40 cm के बीच वर्षा होती है उष्ण मरुस्थलों पर होती है। यहाँ औसत वर्षा 5 से 15 cm तक होती है। इसकी मात्रा एवं समय दोनों ही बहुत अनिश्चित है। Dec, Jan तथा June, July में धूल की आँधियां भयानक रूप से चलती हैं।

(iv) भूमध्य सागरीय जलवायु → शीत ऋतु में साधारण ठंड तथा वर्षा एवं उच्च तापमान युक्त शुष्क ग्रीष्म ऋतु इस जलवायु की मुख्य विशेषता है। यह जलवायु 30 से 40° अक्षांशों के बीच महाद्वीपों के प० तट पर पछुआ हवाओं की पेटी में पायी जाती है। यहाँ वा० वर्षा 25 से 100 cm तक होती है। शीत ऋतु,

Scanned with CamScanner

का औसत तापमान 4°C से 10°C तथा ग्रीष्म ऋतु का औसत तापमान 21°C से 27°C के मध्य रहता है। आस्ट्रे० में यह इस जलवायु की विशिष्टता प्रदर्शित करती है। छोटी पत्ती वाले सदाबहार झाड़ियाँ इस क्षेत्र की प्रमुख विशेषता है।

(5) मानसूनी जलवायु → महाद्वीपों के पूर्वी भागों में स्थित ग्रीष्म कालीन वर्षा तथा शीत ऋतु में साधारण वर्षा, ठंड एवं शुष्कता इस जलवायु की प्रमुख विशेषता है। यह जलवायु 25° से 40° अक्षांशों के मध्य पू० तट के आंतरिक भागों में पाई जाती है। आस्ट्रेलिया के सागर तटीय क्षेत्र में सालों भर लेकिन ग्रीष्म काल में वर्षा अधिक होती है।

(6) अनुसमुद्रिक शीतोष्ण (प० यूरोपिय तुल्य) जलवायु → सामान्यतः यह जलवायु 40 से 60° अक्षांशों के मध्य महाद्वीपों के प० तट पर पायी जाती है। आस्ट्रे० में दक्षिण पश्चिम भागों को छोड़कर 20-35°S अक्षांशों के मध्य स्थित प्रशान्त तटीय क्षेत्र इस जलवायु के अन्तर्गत आते हैं। यहाँ सामान्यतः चौड़ी पत्ती वाले पतझड़ वन पाए जाते हैं।

(7) अविभाजित पर्वतीय जलवायु → ऊँचाई एवं अक्षांशीय स्थिति के अनुसार एक छोटे क्षेत्र में बदलता रहता है। इसमें मौसमी तथा वार्षिक ताप परिसर कम होता है। यह न्यूजीलैंड में पाया जाता है। भारी हिमपात और चक्रवातों का प्रभाव इस जलवायु पर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

जलवायु का मुख्य घटक तापमान और वर्षा है। आस्ट्रे० में ग्रीष्म ऋतु में वर्षा उ०पू० भाग एवं न्यूजीलैंड में अधिक होती है जबकि शीत ऋतु में द०प० एवं द०पू० छोड़ तस्मानिया और न्यूजीलैंड में अधिक वर्षा होती है। अति न्यून वर्षा आस्ट्रेलिया के मध्यवर्ती भागों में होता है।

आस्ट्रेलिया की जलवायु

- उष्ण कटि० आर्द्र शुष्क
- आर्द्र शुष्क
- शुष्क
- आर्द्र उपोष्ण
- भूमध्य सागरीय
- अनुसमुद्रिक शीतोष्ण

Scanned with CamScanner